गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

हिन्दी अध्ययन एवं शोध केंद्र

द्वारा आयोजित

द्वि-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय परिसंवाद

हिन्दी कहानी : नई सदी का सृजन और सरोकार

(16-17 जनवरी, 2017)

बीसवीं सदी के सूर्योदय के साथ आरंभ हुई हिन्दी कहानी की विकास यात्रा ने इक्कीसवीं सदी में डेढ़ दशक का फासला तय कर लिया है | साहित्य की एक गंभीर और लोकप्रिय विधा के रूप में हिन्दी कहानी ने अपने समय की संवेदना को सिरजा है तथा कला को नए आयाम दिए हैं | यूं इक्कीसवीं सदी की धमक बीसवीं सदी के उत्तरार्ध से ही महसूस की जाने लगी थी, पर 1990 के बाद आरंभ हुई भूमंडलीकरण की प्रक्रिया ने तमाम गैरबराबरियों को नज़रअंदाज कर तीसरी दुनिया के देशों को वैश्विक अर्थनीति के नागपाश से जकड़ दिया है | परिणामतः जीवन के सभी क्षेत्रों में भारी उथल-पुथल उपस्थित हुई है | इसी दौर में उभरे अस्मितामूलक विमर्शों ने भारतीय भाषाओं के साहित्य को नए स्वर और सरोकारों से संपृक्त किया है | संचार के अधुनातन साधनों ने साहित्य की विधाओं के समक्ष भाषा और कला की नई चुनौती पेश की है | हिन्दी कहानी के विगत पचीस वर्षों पर ठहरकर समग्रता से विचार करने की जरुरत को ध्यान में रखते हुए गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय का हिन्दी अध्ययन एवं शोध केन्द्र 'हिन्दी कहानी : नई सदी का सृजन और सरोकार' विषय पर द्वि-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन कर रहा है | उक्त परिसंवाद में हिन्दी के वरिष्ठ कथाकार, आलोचक, देश के अनेक विश्वविद्यालयों के प्राध्यापक, युवा आलोचक एवं शोध छात्र शामिल होंगे | प्रस्तुत अंतर्राष्ट्रीय परिसंवाद में सन् 1990 के बाद की हिन्दी कहानी के निम्नलिखित पक्षों पर प्रपत्र आमंत्रित हैं-

- प्रवासी संदर्भ
- स्त्री संदर्भ
- भूमंडलोत्तर समय और संस्कृति
- गाँव एवं किसान
- दलित, आदिवासी और अल्पसंख्यक
- भाषा, शिल्प एवं संरचना

प्रपत्र संबंधी निर्देश

1. शोध-पत्र अधिकतम 3500 शब्दों तक सीमित हो |
2. शोध-पत्र एरियल यूनिकोड (गैप:1.5, फौंट:12) में टंकित कर वर्ड एवं पीडीएफ दोनों प्रारूपों में cug.hindi.seminar@gmail.com पर प्रेषित करें |
3. शोध-पत्र के साथ अधिकतम 75 शब्दों में आत्म-परिचय तथा लगभग 300 शब्दों में शोध पत्र सारांश अलग से वर्ड एवं पीडीएफ में संलग्न करें|
4. **प्रपत्र भेजने की अंतिम तिथि 05 जनवरी 2017 है|** अंतिम तिथि के बाद भेजे गए शोध पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा|
5. चयनित प्रपत्रों को ही प्रस्तुत करने का अवसर दिया जाएगा| इस संबंध में आयोजकों का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा|

पंजीकरण शुल्क : रूपए 500/- (शोधार्थियों हेतु) तथा रूपए 1000/- (प्राध्यापकों हेतु)

(पंजीकरण शुल्क में आवास की व्यवस्था शामिल नहीं है)

ऑनलाईन पंजीकरण फ़ार्म गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय की वेबसाइट cug.ac.in पर उपलब्ध है|

पंजीकरण शुल्क बैंक खाते में सीधे जमा किया जा सकता है |

पंजीकरण शुल्क जमा करने हेतु खाते का विवरण

खाता धारक का नाम: CUG CENTRE FOR STUDIES IN HINDI

केनरा बैंक, शाखा: Gandhinagar Cug

खाता संख्या: 5999101000802, IFSC कोड : CNRB0005999

संजीव कुमार दुबे
संयोजक एवं अध्यक्ष

प्रमोद कुमार तिवारी
सह-संयोजक
(09228213554)

किंगसन सिंह पटेल
सह-संयोजक
(09033659554)

गजेन्द्र कुमार मीणा
सह-संयोजक
(07567997700)

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

हिन्दी अध्ययन एवं शोध केंद्र

गांधीनगर, सेक्टर-29, गुजरात-382030

द्वि-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय परिसंवाद

16-17 जनवरी, 2017

हिन्दी कहानी: नई सदी का सृजन और सरोकार

आयोजन समिति

संरक्षक

प्रो. एस. ए. बारी

(कुलपति, गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

परामर्श समिति

प्रो. एस.एल हिरेमठ (कुलसचिव, गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

प्रो. आलोक गुप्त (अधिष्ठाता,भाषा साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान)

प्रो. रेचल बारी (प्रोफ़ेसर,अंग्रेजी अध्ययन केन्द्र)

प्रो. संजय कुमार झा (वित्त अधिकारी, गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

प्रो. अतनु भट्टाचार्य (अध्यक्ष, आई सी टी, गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

संयोजन समिति

डॉ.प्रमोद कुमार तिवारी
सह-संयोजक

डॉ. किंगसन सिंह पटेल
सह-संयोजक

डॉ.गजेन्द्र कुमार मीणा
सह-संयोजक

प्रो. संजीव कुमार दुबे

संयोजक एवं अध्यक्ष